ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:28.03.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-03-28(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	29/03/2024	30/03/2024	31/03/2024	01/04/2024	02/04/2024
वर्षा (मीमी)	5.0	10.0	15.0	5.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	27.0	28.0	29.0	27.0	26.0
न्यूनतम तापमान (से.)	15.0	16.0	14.0	14.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	45	45	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	2	2	2	1
पवन दिशा (डिग्री)	320	140	140	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	8	6	1

सम सारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में 28-31 मार्च तक क्रमशः 26-29oC और 13-16oC के अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ 5-15 मिमी की बहुत हल्की बारिश होने की आशंका है। हवा 1-2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की उम्मीद है। 28, 29 और 31 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है और 30 मार्च को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 01 अप्रैल 2024 को शुष्क मौसम रहने की संभावना है। 28, 29 और 30 मार्च को

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 22-28 मार्च तक अनुमानित प्रवृत्ति में भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। फसल के महत्वपूर्ण चरणों में आवश्यकतानुसार उचित सिंचाई उपाय और रासायनिक अनुप्रयोग प्रदान किया जाना चाहिए। फूल आने के समय बगीचों की जुताई नहीं करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फूल आने के समय कीटनाशकों के प्रयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे परागणकों को नुकसान होगा। वर्तमान अनुमानित मौसम स्थितियों के तहत बुआई पूरी की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ आंधी/ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) की चेतावनी जारी की गई है, इसलिए खेती की गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाये ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर/ फील्ड पी	फली निर्माण/ परिपक्वता	फली बनने के चरण में सिंचाई करनी चाहिए और फली छेदक, पत्ती सुरंगक या माहू कीट हमले के खिलाफ अनुशंसित कीटनाशक या रोग नियंत्रण उपायों का पालन करना चाहिए। परिपक्व फलियों की तुड़ाई करें भलीभाँति संरक्षित करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
पीली सरसों (राड़ा)	परिपक्वता/ फली निर्माण	पकी हुई फसल की कटाई कर उसे गहाई से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए, जबकि फली बनने की अवस्था में सिंचाई के उचित उपाय करने चाहिए।
गेहूँ	आनाज भरना	सिंचाई अनुप्रयोग को आवश्यकता के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और प्रमुख प्रतिस्पर्धी खरपतवारों के खिलाफ उचित खरपतवार प्रबंधन उपाय किए जाने चाहिए। रोग/कीट को नियंत्रित किया जाना चाहिए और वर्षा आधारित परिस्थितियों में फूल आने की अवस्था में यूरिया का प्रयोग करना चाहिए।पूर्वानुमान के अनुसार सिंचाई और रासायनिक अनुप्रयोग निर्धारित किया जाना चाहिए।
धान	बुआई	चेतकी धान की बुआई इस माह में की जा सकती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में बुआई में देरी हो सकती है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फ्रेंच बीन	अंकुरित पौध	अंकुरित पौधों की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।पूर्वानुमान के अनुसार सिंचाई का कार्यक्रम निर्धारित किया जाना चाहिए।
मूली/गाजर	बुआई	पहाड़ी क्षेत्रों में यूरोपीय किस्मों की बुआई की जा सकती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में बुआई में देरी हो सकती है।
टमाटर/बैंगन/शिमला मिर्च	बुआई	टमाटर/बैंगन/शिमला मिर्च की पॉलीहाउस/पॉलीनेट तैयारी मध्य पहाड़ियों में की जा सकती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में बुआई में देरी हो सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशु पालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गर्भ से हुए पशुओं में प्रसव ज्वर की रोकथाम के लिए 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण देना चाहिए। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिदिन यह मिश्रण खिलाया जाना चाहिए क्योंकि इस दौरान उनमें बाँझपन और जॉन्स रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) रोग होने का खतरा होता है। वयस्क पशुओं में खुरपका एवं मुँहपका नमक बीमारी का टीकाकरण करवाने से 15 दिन पूर्व कृमिनाशक दवाई का इस्तेमाल अवश्य करें।